

**PAPER-II**  
**ASSAMESE**

**Signature and Name of Invigilator**

1. (Signature) \_\_\_\_\_

(Name) \_\_\_\_\_

2. (Signature) \_\_\_\_\_

(Name) \_\_\_\_\_

**J A 0 3 6 1 7**

Time : 1 ¼ hours]

[Maximum Marks : 100

Number of Pages in this Booklet : 16

Number of Questions in this Booklet : 50

**Instructions for the Candidates**

1. Write your roll number in the space provided on the top of this page.
2. This paper consists of fifty multiple-choice type of questions.
3. At the commencement of examination, the question booklet will be given to you. In the first 5 minutes, you are requested to open the booklet and compulsorily examine it as below :
  - (i) To have access to the Question Booklet, tear off the paper seal on the edge of this cover page. Do not accept a booklet without sticker-seal and do not accept an open booklet.
  - (ii) **Tally the number of pages and number of questions in the booklet with the information printed on the cover page. Faulty booklets due to pages/questions missing or duplicate or not in serial order or any other discrepancy should be got replaced immediately by a correct booklet from the invigilator within the period of 5 minutes. Afterwards, neither the Question Booklet will be replaced nor any extra time will be given.**
  - (iii) After this verification is over, the Test Booklet Number should be entered on the OMR Sheet and the OMR Sheet Number should be entered on this Test Booklet.
  - (iv) The test booklet no. and OMR sheet no. should be same. In case of discrepancy in the number, the candidate should immediately report the matter to the invigilator for replacement of the Test Booklet / OMR Sheet.
4. Each item has four alternative responses marked (1), (2), (3) and (4). You have to darken the circle as indicated below on the correct response against each item.  
**Example :** ① ② ● ④  
where (3) is the correct response.
5. Your responses to the items are to be indicated in the **OMR Sheet given inside the Booklet only**. If you mark your response at any place other than in the circle in the OMR Sheet, it will not be evaluated.
6. Read instructions given inside carefully.
7. Rough Work is to be done in the end of this booklet.
8. If you write your Name, Roll Number, Phone Number or put any mark on any part of the OMR Sheet, except for the space allotted for the relevant entries, which may disclose your identity, or use abusive language or employ any other unfair means, such as change of response by scratching or using white fluid, you will render yourself liable to disqualification.
9. You have to return the Original OMR Sheet to the invigilators at the end of the examination compulsorily and must not carry it with you outside the Examination Hall. You are, however, allowed to carry original question booklet on conclusion of examination.
10. Use only **Black Ball point pen**.
11. Use of any calculator or log table etc., is prohibited.
12. There is no negative marks for incorrect answers.

OMR Sheet No. : \_\_\_\_\_

(To be filled by the Candidate)

Roll No. 

--	--	--	--	--	--	--	--

(In figures as per admission card)

Roll No. \_\_\_\_\_

(In words)

**परीक्षार्थियों के लिए निर्देश**

1. इस पृष्ठ के ऊपर नियत स्थान पर अपना रोल नम्बर लिखिए ।
2. इस प्रश्न-पत्र में पचास बहुविकल्पीय प्रश्न हैं ।
3. परीक्षा प्रारम्भ होने पर, प्रश्न-पुस्तिका आपको दे दी जायेगी । पहले पाँच मिनट आपको प्रश्न-पुस्तिका खोलने तथा उसकी निम्नलिखित जाँच के लिए दिये जायेंगे, जिसकी जाँच आपको अवश्य करनी है :
  - (i) प्रश्न-पुस्तिका खोलने के लिए पुस्तिका पर लगी कागज की सील को फाड़ लें । खुली हुई या बिना स्टीकर-सील की पुस्तिका स्वीकार न करें ।
  - (ii) कवर पृष्ठ पर छपे निर्देशानुसार प्रश्न-पुस्तिका के पृष्ठ तथा प्रश्नों की संख्या को अच्छी तरह चेक कर लें कि ये पूरे हैं । दोषपूर्ण पुस्तिका जिनमें पृष्ठ/प्रश्न कम हों या दुबारा आ गये हों, या सीरियल में न हों अर्थात् किसी भी प्रकार की त्रुटिपूर्ण पुस्तिका स्वीकार न करें तथा उसी समय उसे लौटाकर उसके स्थान पर दूसरी सही प्रश्न-पुस्तिका ले लें । इसके लिए आपको पाँच मिनट दिये जायेंगे । उसके बाद न तो आपकी प्रश्न-पुस्तिका वापस ली जायेगी और न ही आपको अतिरिक्त समय दिया जायेगा ।
  - (iii) इस जाँच के बाद प्रश्न-पुस्तिका का नंबर OMR पत्रक पर अंकित करें और OMR पत्रक का नंबर इस प्रश्न-पुस्तिका पर अंकित कर दें ।
  - (iv) प्रश्न पुस्तिका नं. और OMR पत्रक नं. समान होने चाहिए । यदि नंबर भिन्न हों, तो परीक्षार्थी प्रश्न-पुस्तिका / OMR पत्रक बदलने के लिए निरीक्षक को तुरंत सूचित करें ।
4. प्रत्येक प्रश्न के लिए चार उत्तर विकल्प (1), (2), (3) तथा (4) दिये गये हैं । आपको सही उत्तर के वृत्त को पेन से भरकर काला करना है जैसा कि नीचे दिखाया गया है :  
**उदाहरण :** ① ② ● ④  
जबकि (3) सही उत्तर है ।
5. प्रश्नों के उत्तर केवल प्रश्न पुस्तिका के अन्दर दिये गये OMR पत्रक पर ही अंकित करने हैं । यदि आप OMR पत्रक पर दिये गये वृत्त के अलावा किसी अन्य स्थान पर उत्तर चिह्नित करते हैं, तो उसका मूल्यांकन नहीं होगा ।
6. अन्दर दिये गये निर्देशों को ध्यानपूर्वक पढ़ें ।
7. कच्चा काम (Rough Work) इस पुस्तिका के अन्तिम पृष्ठ पर करें ।
8. यदि आप OMR पत्रक पर नियत स्थान के अलावा अपना नाम, रोल नम्बर, फोन नम्बर या कोई भी ऐसा चिह्न जिससे आपको पहचान हो सके, अंकित करते हैं अथवा अभद्र भाषा का प्रयोग करते हैं, या कोई अन्य अनुचित साधन का प्रयोग करते हैं, जैसे कि अंकित किये गये उत्तर को मिटाना या सफेद स्याही से बदलना तो परीक्षा के लिये अयोग्य घोषित किये जा सकते हैं ।
9. आपको परीक्षा समाप्त होने पर मूल OMR पत्रक निरीक्षक महोदय को लौटाना आवश्यक है और परीक्षा समाप्ति के बाद उसे अपने साथ परीक्षा भवन से बाहर न लेकर जायें । हालाँकि आप परीक्षा समाप्ति पर मूल प्रश्न-पुस्तिका अपने साथ ले जा सकते हैं ।
10. काले बाल प्वाइंट पेन का ही इस्तेमाल करें ।
11. किसी भी प्रकार का संगणक (कैलकुलेटर) या लाग टेबल आदि का प्रयोग वर्जित है ।
12. गलत उत्तरों के लिए कोई नकारात्मक अंक नहीं हैं ।



## ASSAMESE

অসমীয়া

Paper – II

প্ৰশ্নকাকত– II

**Note :** This paper contains **fifty (50)** objective type questions of **two (02)** marks each. **All** questions are compulsory.

**টোকা :** এই প্ৰশ্নকাকতত **পঞ্চাছটা(50)** বহু বিকল্পীয় প্ৰশ্ন আছে । প্ৰতিটো প্ৰশ্নৰ মূল্যাংক **দুই (2)** । সকলো প্ৰশ্ন বাধ্যতামূলক ।

তৰল 1ৰ পৰা 8নং প্ৰশ্নলৈকে চাৰিটা বিকল্প উত্তৰ দিয়া আছে । শুদ্ধ উত্তৰটো বাছি উলিওৱা ।

1. ভাৰ্য্যা পুত্ৰ বন্ধু পাই যথা তথা ।

হেন নতু দেখোহৌ সোদৰ পাই কথা ।।

এই শ্লোকটি ৰামায়ণৰ কোনটো কাণ্ডত পোৱা যায় ?

- |                   |                        |
|-------------------|------------------------|
| (1) আদিকাণ্ড      | (2) অযোধ্যাকাণ্ড       |
| (3) লক্ষ্মী কাণ্ড | (4) কিষ্কিন্ধ্যা কাণ্ড |

2. খন্তেকীয়া পৰিচয়ৰ

আখৰবোৰ

আঙুলিৰ মূৰত গণিছোঁ ।

আদৰৰ এষাৰ মাত

অথবা

হাতত তুলি দিয়া একাপ কফি

চাইজ্‌মোগ্ৰাফৰ ভায়েলৰ বাহিৰত ।

উদ্ধৃত কবিতাৰ শাৰীকেইটা তলৰ কোনজন কবিৰ ?

- |                    |                      |
|--------------------|----------------------|
| (1) হেমবৰুৱা       | (2) হীৰেন ভট্টাচাৰ্য |
| (3) বীৰেশ্বৰ বৰুৱা | (4) সমীৰ তাঁতী       |

3. ‘An Introduction to Assamese Phonology’ নামৰ গ্ৰন্থখনৰ প্ৰণেতা জন হ’ল –

- |                             |                                   |
|-----------------------------|-----------------------------------|
| (1) ড. বাণীকান্ত কাকতি      | (2) ড. সত্যেন্দ্ৰনাৰায়ণ গোস্বামী |
| (3) ড. উপেন্দ্ৰনাথ গোস্বামী | (4) ড. গোলোক চন্দ্ৰ গোস্বামী      |

4. ‘চপংয়ং মানাও পয়’ পালন কৰা জনগোষ্ঠীটো হ’ল

- |           |            |
|-----------|------------|
| (1) বড়ো  | (2) নক্টে  |
| (3) চিংফৌ | (4) ডিমাছা |

5. আইভান টুগেনিভৰ 'দ্য ভাৰ্জিন ছয়ল' নামৰ গ্ৰন্থখন 'কুমাৰী পৃথিৱী' নামেৰে অসমীয়া ভাষালৈ অনুবাদ কৰা লেখক জন হ'ল –

- |                  |                                |
|------------------|--------------------------------|
| (1) বীৰেন বৰকটকী | (2) বীৰেন্দ্ৰ কুমাৰ ভট্টাচাৰ্য |
| (3) আব্দুল মালিক | (4) প্ৰফুল্ল কটকী              |

6. চঞ্চল চৰণে আজি অঞ্চল দোলাই  
কেনি যোৱা লয়লাসে কেশৰ বাসনা ।

উক্ত পংক্তিটিৰ অলঙ্কাৰবিধ হ'ল

- |                    |                    |
|--------------------|--------------------|
| (1) ছেকানুপ্ৰাস    | (2) পুনৰুক্তবদাভাস |
| (3) অন্ত্যানুপ্ৰাস | (4) সন্দেহ         |

7. বিজ্ঞাপনৰ অনুবাদ কেনেধৰণৰ হয় ?

- |                  |                  |
|------------------|------------------|
| (1) কলাধৰ্মী     | (2) বিজ্ঞানধৰ্মী |
| (3) যোগাযোগধৰ্মী | (4) বাৰ্তাধৰ্মী  |

8. সামাজিক উপভাষাৰ মূল চৰিত্ৰটি হ'ল –

- |   |
|---|
| (1) সমাজ এখনত ব্যৱহৃত ভাষা                    |
| (2) সমাজৰ ভিন্ন স্তৰৰ মানুহে ব্যৱহাৰ কৰা ভাষা |
| (3) অঞ্চলভেদে সমাজে ব্যৱহাৰ কৰা ভাষা          |
| (4) জাতিগতভাৱে ব্যৱহাৰ কৰা ভাষা               |

তৰল 9ৰ পৰা 15লৈ প্ৰতিটো প্ৰশ্নৰ লগত চাৰিটাকৈ বিকল্প দিয়া আছে । এই বিকল্পসমূহৰ মাজত দুটা বা ততোধিক শুদ্ধ বিকল্প আছে । শুদ্ধ বিকল্পৰ সমূহ বা খুলটো বাছি উলিওৱা ।

9. মহাপুৰুষ শ্ৰীমন্ত শঙ্কৰদেৱৰ ভক্তিতত্ত্ব প্ৰকাশক গ্ৰন্থৰ খুলটো হ'ল –

- |                      |                   |
|----------------------|-------------------|
| (i) নিমিনৱসিদ্ধসংবাদ | (ii) কীৰ্তন       |
| (iii) অনাদিপাতন      | (iv) গুণমালা      |
| (1) (i) আৰু (iii)    | (2) (i) আৰু (iv)  |
| (3) (ii) আৰু (iii)   | (4) (ii) আৰু (iv) |

10. শৰৎচন্দ্র গোস্বামীৰ গল্পপুথি দুখনৰ খুলটো বাছি উলিওৱাঁ –

- |                    |                    |
|--------------------|--------------------|
| (i) ময়না          | (ii) মৰমৰ মাধুৰী   |
| (iii) গল্পৰ শৰাই   | (iv) গল্পাঞ্জলি    |
| (1) (ii) আৰু (iv)  | (2) (i) আৰু (iv)   |
| (3) (ii) আৰু (iii) | (4) (iii) আৰু (iv) |

11. চীন-তিব্বতীয় ভাষাৰ বিষয়ে গ্ৰন্থ-প্ৰণয়ন কৰা দুজন লেখক হ'ল

- |                                   |                             |
|-----------------------------------|-----------------------------|
| (i) ড. সত্যেন্দ্ৰনাৰায়ণ গোস্বামী | (ii) ড. দীপ্তি ফুকন পাটগিৰি |
| (iii) ড. গোলোকচন্দ্র গোস্বামী     | (iv) ড. ভীমকান্ত বৰুৱা      |
| (1) (i) আৰু (iii)                 | (2) (ii) আৰু (iv)           |
| (3) (i) আৰু (iv)                  | (4) (iii) আৰু (iv)          |

12. নেপালী জনগোষ্ঠীয়ে উদ্‌যাপন কৰা দুটা উৎসৱৰ খুল –

- |                    |                   |
|--------------------|-------------------|
| (i) তীজ            | (ii) তিহাৰ        |
| (iii) মহোহো        | (iv) গেৰবা        |
| (1) (i) আৰু (iv)   | (2) (i) আৰু (ii)  |
| (3) (iii) আৰু (iv) | (4) (ii) আৰু (iv) |

13. (ক) ভালেদিন হৈ গ'ল

জিলালৈ অহা নাই সোণজিৰা মাহী

যাৰ মুগাৰ মেখেলা উদং ভৰিত

খম্ খম্ খোজ

যাৰ ৱাউজ নোহোৱা দেহা

কেৱল ৰিহাৰে চকা

(খ) মৰমৰ মোনজনী

তোমাৰ চিঠিয়ে দিয়া ধুনীয়া খবৰটিয়ে

সনটো বৃহিছা মোৰ উগলখুগল কৰি দিলে

কিকাকিবি কথাকোৰ ধুনীয়া ধুনীয়া কথা

ভাবি ভাবি আবেলিটো

ধুনীয়াকে পাৰ হৈ গ'ল

উদ্ধৃত কবিতা দুফাকিৰ ছন্দৰ খুল হ'ল –

- |                     |                       |
|---------------------|-----------------------|
| (i) মুক্তক ছন্দ     | (ii) অমিত্ৰাঙ্কৰ ছন্দ |
| (iii) অনুষ্ঠিত ছন্দ | (iv) স্পন্দিত গদ্য    |
| (1) (i) আৰু (iv)    | (2) (ii) আৰু (iv)     |
| (3) (i) আৰু (ii)    | (4) (iii) আৰু (iv)    |

14. (ক) মুখে উজলায় বৰঘৰ  
পদুমে পোহৰায় সৰোবৰ ।  
(খ) মুখ দেখি উতলা মন  
পদুম দেখিলে ভোমোৰাৰ গুঞ্জন ।
- (i) প্ৰতিবক্তৃ পমা (ii) ৰূপক  
(iii) উপমা (iv) দৃষ্টান্ত
- (1) (i) আৰু (iii) (2) (ii) আৰু (iv)  
(3) (i) আৰু (iv) (4) (iii) আৰু (iv)

15. খ্ৰীষ্টীয় সপ্তম শতিকাৰ দুখন শিলালিপিৰ নাম
- (i) বৰগংগা লিপি (ii) ডুবি অনুশাসন  
(iii) উমাচল শিলালিপি (iv) নিধনপুৰ লিপি
- (1) (i) আৰু (iv) (2) (ii) আৰু (iv)  
(3) (ii) আৰু (iii) (4) (i) আৰু (iii)

তলৰ 16ৰ পৰা 20 লৈ দিয়া প্ৰতিটো মন্তব্য যুক্তিৰে বিশ্লেষণ কৰি অথবা কাৰ্যকাৰণ নিৰ্ণয় কৰি (1), (2), (3) আৰু (4) বিকল্পৰ মাজৰ পৰা শুদ্ধ উত্তৰটো বাছি উলিওৱা ।

16. আহোম যুগৰ ধৰ্ম আৰু আহোমৰ ধৰ্ম ইটোৰ লগত সিটোৰ অঙ্গাসী সম্বন্ধ ।

কাৰণ

- (1) আহোমসকলৰ নিজা ধৰ্ম নাছিল ।  
(2) আহোমসকল ধৰ্ম গ্ৰহণত আগ্ৰহী আছিল ।  
(3) প্ৰাক্ শঙ্কৰী যুগত অসমত যি ধৰ্ম আছিল, অসমলৈ আহি আহোমসকলে সেই ধৰ্মকে আচৰিছিল ।  
(4) ৰাজনৈতিক ক্ষেত্ৰত ধৰ্ম গ্ৰহণ কৰাটো বাধ্যতামূলক আছিল ।

17. আকাশ কুসুম আকাশ কুসুম

সপোনৰ শোভা সকলো হৰি

ফুলিছে সি কিনো কল্পনা ফুল

নন্দন বন উপচি পৰি ।

ইয়াৰ ছন্দ মাত্ৰাবৃত্ত, কাৰণ –

- (1) এই ছন্দত যুগ্ম ধ্বনিৰ দ্বৈত গতি আছে ।  
(2) ইয়াৰ প্ৰতিটো যুগ্ম ধ্বনি সংশ্লিষ্ট হোৱাৰ হেতুকে এই ছন্দৰ গতি অতি ক্ষীপ্ৰ ।  
(3) ই লয়সম্বৃত আৰু এই ৰীতিৰ লয় অত্যন্ত মন্থৰ ।  
(4) ই প্ৰশ্বন সম্বৃত ।

## 18. জগজন জীৱন অজন জনাৰ্দন

দনুজ দমন দুঃখহাৰী

মোহদানন্দ কন্দ পৰমানন্দ

নন্দ নন্দন বনচাৰী

কবিতাফাঁকি অনুপ্ৰাসৰ উদাহৰণ । কাৰণ,

- (1) ইয়াত বৰ্ণৰ বিন্যাসে বসপুষ্টি ঘটোৱা বাবে অনুপ্ৰাস অলঙ্কাৰ হৈছে ।
- (2) ইয়াত প্ৰথম দুশাৰীত ওচৰাওচৰিকৈ 'জ' আৰু 'ন' ব্যঞ্জনবৰ্ণ দুটা ব্যৱহাৰ কৰা হৈছে আৰু তৃতীয় আৰু চতুৰ্থ শাৰীত 'ন' আৰু 'দ' সংযুক্ত আৰু বিযুক্ত দুয়োভাবে আবৃত হৈছে ।
- (3) ই শুনিবলৈ শুল্লা হোৱা বাবে অনুপ্ৰাসত পৰিণত হৈছে ।
- (4) ইয়াত স্বৰ আৰু ব্যঞ্জনবৰ্ণৰ সুসমন্বয় ঘটা বাবে অনুপ্ৰাস হৈছে ।

## 19. খাৱন, গমন, পিন্ধন, উৰণ - এই শব্দকেইটাত যোগ হোৱা প্ৰত্যয় হ'ল কৃৎপ্ৰত্যয় । কাৰণ,

- (1) ইয়াত শব্দৰ পিছত প্ৰত্যয় যোগ হৈছে ।
- (2) ইয়াত ক্ৰিয়া শব্দৰ লগত প্ৰত্যয় যোগ হৈছে ।
- (3) ইয়াত ধাতুৰ লগত প্ৰত্যয় যোগ হৈছে ।
- (4) ইয়াত পৰপ্ৰত্যয় যোগ হৈছে ।

## 20. প্ৰকাশৰ অবাৰিত স্বাধীনতা আৰু কল্পনাপ্ৰৱণতা ৰোমান্টিক কাব্যৰ উন্মুক্ত লক্ষণ । কাৰণ,

- (1) ভাবৰ উন্মুক্ত প্ৰকাশ আৰু কল্পনাৰ প্ৰাচুৰ্যৰে ৰোমান্টিক কবিতা সমৃদ্ধ ।
- (2) স্বেচ্ছাচাৰী ভাব আৰু কল্পনাৰ সীমাহীনতা ৰোমান্টিক কবিতাত বিদ্যমান ।
- (3) স্বাধীনতাকামী মনৰ প্ৰকাশেৰে ৰোমান্টিক কবিতা সমুজ্জ্বল ।
- (4) কল্পনাৰ উন্মুক্ত চিন্তা-চেতনাবে ৰোমান্টিক কবিতা চিৰ সেউজ ।

তলৰ 21ৰ পৰা 25লৈ দিয়া প্ৰতিটো উক্তি (Assertion) আৰু যুক্তি (Reason) হিচাপে উল্লেখ কৰা বিবৃতি দুটাৰ বিষয়ে যুগুতোৱা (1), (2), (3), (4) ৰ পৰা শুদ্ধ উত্তৰটো নিৰ্ণয় কৰা ।

## 21. উক্তি : অসমীয়া ভাষাৰ হ্ৰস্ব আৰু দীৰ্ঘ স্বৰৰ মাজত উচ্চাৰণৰ পাৰ্থক্য নাই, গতিকে দৈৰ্ঘ্য অসমীয়া ভাষাত বিশিষ্ট ধ্বনি নহয় ।

যুক্তি : প্ৰাচীন ভাৰতীয় আৰ্যভাষাত অথবা সংস্কৃত ভাষাত স্বৰৰ হ্ৰস্ব দীৰ্ঘ উচ্চাৰণ পোৱা না যায় ।

- (1) উক্তি অশুদ্ধ, যুক্তি শুদ্ধ
- (2) উক্তি শুদ্ধ, যুক্তি শুদ্ধ
- (3) উক্তি শুদ্ধ, যুক্তি অশুদ্ধ
- (4) উক্তি অশুদ্ধ, যুক্তি অশুদ্ধ

22. উক্তি : বাক্যত এটা শব্দেৰেই দুটা বা ততোধিক অৰ্থ একেলগে কোৱাকে শ্লেষ অলঙ্কাৰ বোলে ।

যুক্তি : শ্লেষ শব্দৰ অৰ্থ হ'ল লগলাগি থকা ।

- (1) উক্তি শুদ্ধ, যুক্তি শুদ্ধ
- (2) উক্তি অশুদ্ধ, যুক্তি শুদ্ধ
- (3) উক্তি শুদ্ধ, যুক্তি অশুদ্ধ
- (4) উক্তি অশুদ্ধ, যুক্তি অশুদ্ধ

23. উক্তি : ডাকৰ বচন সচাঁকৈয়ে ব্যৱহাৰিক জ্ঞানৰ ভৰাল ।

যুক্তি : ডাকৰ বচনত কেৱল কৃষিসম্পৰ্কীয় কথাৰ বৰ্ণনাহে পোৱা যায় ।

- (1) উক্তি অশুদ্ধ, যুক্তি অশুদ্ধ
- (2) উক্তি শুদ্ধ, যুক্তি শুদ্ধ
- (3) উক্তি অশুদ্ধ, যুক্তি শুদ্ধ
- (4) উক্তি শুদ্ধ, যুক্তি অশুদ্ধ

24. উক্তি : এগৰাকী সফল অনুবাদক হ'বলৈ তেওঁৰ স্ৰোতভাষা আৰু লক্ষ্যভাষাৰ সম্যক জ্ঞান থকা উচিত ।

যুক্তি : এগৰাকী শ্ৰেষ্ঠ অনুবাদকৰ জতুৱা ঠাঁচ তথা ফকৰা যোজনাৰ সঠিক জ্ঞান থকাটো বাঞ্ছনীয় ।

- (1) উক্তি শুদ্ধ, যুক্তি অশুদ্ধ
- (2) উক্তি অশুদ্ধ, যুক্তি শুদ্ধ
- (3) উক্তি শুদ্ধ, যুক্তি শুদ্ধ
- (4) উক্তি অশুদ্ধ, যুক্তি অশুদ্ধ

25. উক্তি : লোকসংস্কৃতিক অতদিনে জীয়াই ৰাখিছে গ্ৰাম্য ৰক্ষণ শীলতাই আৰু সংস্কাৰ ধৰ্মিতাই ।

যুক্তি : পশ্চিমীয়া আধুনিক শিক্ষাই ভাৰতীয় জনজীৱনৰ ওপৰত প্ৰভুত প্ৰভাৱ পেলাইছে ।

- (1) উক্তি শুদ্ধ, যুক্তি অশুদ্ধ
- (2) উক্তি শুদ্ধ, যুক্তি শুদ্ধ
- (3) উক্তি অশুদ্ধ, যুক্তি অশুদ্ধ
- (4) উক্তি অশুদ্ধ, যুক্তি শুদ্ধ

তলত 26 ৰ পৰা 35 লৈ দিয়া বিষয়সমূহ লগত দিয়া নিৰ্দেশনাৰ আধাৰত সজাই (1), (2), (3) (4) গোটৰ পৰা শুদ্ধ ক্ৰমটো নিৰ্ণয় কৰা।

26. অতুলচন্দ্ৰ হাজৰিকাৰ নাটকেইখন প্ৰকাশৰ চন অনুসৰি একাদিক্ৰমে সজোৱা –

- |                  |              |
|------------------|--------------|
| (a) কুব্ৰক্ষেত্ৰ | (b) কনৌজকুৰী |
| (c) বেউলা        | (d) নৰকাসুৰ  |
- (1) (a) (c) (d) (b)  
 (2) (d) (a) (b) (c)  
 (3) (c) (d) (b) (a)  
 (4) (b) (a) (c) (d)

27. উদ্ধৃত কবিতা কেই ফাঁকি ক্ৰম অনুসৰি সজোৱা -

- (a) সমস্ত বসক কোনে জানিবাক পাৰে।  
 পখীসৱ উৰয় যেন পথা অনুসাৰে ॥
- (b) বিলাপ কৰি কান্দে মাই ৰুকমিনী।  
 কোন অঙ্গে খুন দেখি নাইলা যদুমনি ॥
- (c) হেন নৃপতিৰ মহিষীৰো আঞ্জা পায়।  
 কবিৰাজ বিপ্ৰে বক্ষবৈৰতক চায় ॥
- (d) প্ৰভাতীলা নিশা উষা আশুগতি ধৰি।  
 আসিলা; কুব্ৰলি দিলা সুদীৰ্ঘে পেচক;
- (1) (a) (b) (c) (d)  
 (2) (a) (d) (b) (c)  
 (3) (b) (a) (c) (d)  
 (4) (c) (b) (a) (d)

28. বীৰেন্দ্ৰ কুমাৰ ভট্টাচাৰ্যৰ উপন্যাসকেইখন প্ৰকাশৰ চন অনুসৰি একাদিক্ৰমে সজোৱা –

- |                 |                      |
|-----------------|----------------------|
| (a) আই          | (b) মৃত্যুঞ্জয়      |
| (c) ইয়াৰুইঙ্গম | (d) ৰাজপথে ৰিঙিয়ায় |
- (1) (d) (a) (c) (b)  
 (2) (a) (c) (d) (b)  
 (3) (c) (d) (b) (a)  
 (4) (b) (c) (a) (d)

29. প্ৰকাশৰ চনৰ আধাৰত ক্ৰম কৰি সজোৱা –

- |                               |                        |
|-------------------------------|------------------------|
| (a) হেমকোষ                    | (b) চন্দ্ৰকান্ত অভিধান |
| (c) অসমীয়া আৰু ইংৰাজি অভিধান | (d) পঢ়াশলীয়া অভিধান  |
- (1) (c) (a) (b) (d)  
 (2) (c) (d) (a) (b)  
 (3) (a) (b) (d) (c)  
 (4) (d) (b) (c) (a)



30. প্রকাশৰ চন অনুসৰি তলৰ আলোচনীসমূহ একাদিক্ৰমে সজোৱাঁ –

- |           |                |
|-----------|----------------|
| (a) বাঁহী | (b) আসাম বন্ধু |
| (c) আৱাহন | (d) বিজুলী     |
- (1) (a) (d) (c) (b)  
 (2) (b) (d) (a) (c)  
 (3) (d) (a) (b) (c)  
 (4) (c) (b) (a) (d)

31. তলত দিয়া অনুষ্ঠানসমূহ চনৰ আধাৰত ক্ৰম কৰি সজোৱাঁ –

- |                       |                                     |
|-----------------------|-------------------------------------|
| (a) অসম ছাত্ৰ সন্থিলন | (b) অসমীয়া ভাষাৰ উন্নতি সাধিনী সভা |
| (c) কহিমা সাহিত্য সভা | (d) অসম সাহিত্য সভা                 |
- (1) (d) (a) (c) (b)  
 (2) (a) (c) (b) (d)  
 (3) (b) (c) (a) (d)  
 (4) (c) (b) (d) (a)

32. প্রকাশৰ চন অনুসৰি তলত দিয়া জীৱনী কেইখনৰ ক্ৰম নিৰ্ণয় কৰা –

- |                                    |                                   |
|------------------------------------|-----------------------------------|
| (a) আনন্দৰাম বৰুৱা                 | (b) শ্ৰী শঙ্কৰদেৱ আৰু শ্ৰীমাধৱদেৱ |
| (c) বিশ্ববাসিক লক্ষ্মীনাথ বেজবৰুৱা | (d) শঙ্কৰদেৱ                      |
- (1) (d) (b) (a) (c)  
 (2) (b) (c) (d) (a)  
 (3) (a) (d) (a) (c)  
 (4) (c) (b) (a) (d)

33. তলত দিয়া গ্ৰন্থকেইখনৰ প্ৰকাশৰ চন অনুসৰি একাদিক্ৰমে সজোৱাঁ –

- (a) The Evolution of Assamese Script  
 (b) Development of Script in Ancient Kamrupa  
 (c) অসমীয়া প্ৰাচীন লিপি  
 (d) বিশ্বলিপিৰ ভূমিকা
- (1) (a) (b) (c) (d)  
 (2) (d) (a) (c) (b)  
 (3) (c) (d) (b) (a)  
 (4) (d) (b) (c) (a)

34. তলত দিয়া গ্ৰন্থকেইখনৰ প্ৰকাশৰ চন অনুসৰি একাদিক্ৰমে সজোৱাঁ -

- (a) A Few Remarks on the Assamese language and on Vernacular Education in Assam.  
 (b) Grammatical Notices of the Assamese Language  
 (c) A Grammar of the Assamese Language  
 (d) A study of phonology and vocabulary of the Assamese Language.

- (1) (d) (c) (b) (a)  
 (2) (b) (c) (d) (a)  
 (3) (c) (b) (a) (d)  
 (4) (a) (b) (d) (c)

35. তলত দিয়া গ্ৰন্থকেইখনৰ প্ৰকাশৰ চন অনুসৰি একাদিক্ৰমে সজোৱাঁ -

- (a) অসমীয়া ভাষা আৰু সাহিত্যৰ বুৰঞ্জী (b) অসমীয়া সাহিত্যৰ অধ্যয়ন  
 (c) অসমীয়া সাহিত্যত দৃষ্টিপাত (d) অসমীয়া সাহিত্যৰ ইতিবৃত্ত

- (1) (a) (d) (c) (b)  
 (2) (d) (c) (b) (a)  
 (3) (c) (a) (d) (b)  
 (4) (b) (c) (d) (a)

তলৰ 36 ৰ পৰা 45 লৈ দিয়া প্ৰশ্নসমূহৰ 'ক' স্তম্ভত দিয়া বিষয়ৰ লগত সম্পৰ্ক থকা 'খ' স্তম্ভৰ বিষয়সমূহ মিলাই (1), (2), (3), (4) এই চাৰিটা বিকল্প দেখুওৱা হৈছে। তাৰ পৰা শুদ্ধ বিকল্পটো চিহ্নিত কৰাঁ।

36. 'ক' স্তম্ভ

'খ' স্তম্ভ

- |                      |                           |
|----------------------|---------------------------|
| a. গা সৰা            | i. সাৱধান হৈ থকা          |
| b. গা সাতখন আঠখন কৰা | ii. অধীৰ হোৱা             |
| c. গা ৰাইজাই কৰা     | iii. আনন্দত উত্তেজিত হোৱা |
| d. গা বচাই ফুৰা      | iv. বিপদৰ পৰা ৰক্ষা পোৱা  |

- |     | a   | b   | c   | d   |
|-----|-----|-----|-----|-----|
| (1) | iii | i   | ii  | iv  |
| (2) | ii  | iv  | iii | i   |
| (3) | iv  | iii | ii  | i   |
| (4) | i   | ii  | iv  | iii |

37. 'ক' স্তম্ভ 'খ' স্তম্ভ
- |                  |                   |
|------------------|-------------------|
| a. কান কটা       | i. মন দিয়া       |
| b. কান দে        | ii. মনে মনে       |
| c. কানে কানে     | iii. কোনোমতে      |
| d. কানে কান মাৰি | iv. নিলাজ (মানুহ) |
- |     |    |     |     |     |
|-----|----|-----|-----|-----|
|     | a  | b   | c   | d   |
| (1) | i  | iii | ii  | iv  |
| (2) | iv | ii  | iii | i   |
| (3) | iv | i   | ii  | iii |
| (4) | ii | iii | i   | iv  |

38. 'ক' স্তম্ভ 'খ' স্তম্ভ
- |   |                           |
|---|---------------------------|
| a. সাহিত্য দৰ্পন                        | i. মনোৰঞ্জন শাস্ত্ৰী      |
| b. সাহিত্য দৰ্শন                        | ii. ত্ৰৈলোক্যনাথ গোস্বামী |
| c. ৰমন্যাসবাদ                           | iii. বিশ্বনাথ কবিৰাজ      |
| d. নন্দন তত্ত্ব : প্ৰাচ্য আৰু পাশ্চাত্য | iv. মহেন্দ্ৰ বৰা          |
- |     |     |    |     |     |
|-----|-----|----|-----|-----|
|     | a   | b  | c   | d   |
| (1) | iii | i  | iv  | ii  |
| (2) | i   | ii | iii | iv  |
| (3) | iii | ii | iv  | i   |
| (4) | iv  | ii | i   | iii |

39. 'ক' স্তম্ভ 'খ' স্তম্ভ
- |           |            |
|-----------|------------|
| a. চুৰ্জে | i. কাৰ্বি  |
| b. হৰলাং  | ii. দেউৰী  |
| c. নামলাও | iii. মিচিং |
| d. প'ৰ'   | iv. আহোম   |
- |     |     |     |     |     |
|-----|-----|-----|-----|-----|
|     | a   | b   | c   | d   |
| (1) | ii  | i   | iv  | iii |
| (2) | i   | ii  | iii | iv  |
| (3) | iii | iv  | i   | ii  |
| (4) | iv  | iii | ii  | i   |

40. 'ক' স্তম্ভ 'খ' স্তম্ভ
- |                          |                   |
|--------------------------|-------------------|
| a. অপিনিহিতি             | i. উজনি অসমৰ ভাষা |
| b. উপধা অক্ষৰত শ্বাসাঘাত | ii. সমীভৱন        |
| c. ন + মিলে = নিমিলে     | iii. নঞর্থক       |
| d. ন + মিল = অমিল        | iv. কামৰূপী       |
- |     |     |    |     |     |
|-----|-----|----|-----|-----|
|     | a   | b  | c   | d   |
| (1) | i   | iv | iii | ii  |
| (2) | ii  | i  | iv  | iii |
| (3) | iv  | i  | ii  | iii |
| (4) | iii | ii | i   | iv  |

41. 'ক' স্তম্ভ 'খ' স্তম্ভ
- |                       |                   |
|-----------------------|-------------------|
| a. অৰ্থমাপক অনুবাদ    | i. পাঠক কেন্দ্ৰিক |
| b. যোগাযোগমূলক অনুবাদ | ii. লেখককেন্দ্ৰিক |
| c. শৈলীপ্ৰধান সাহিত্য | iii. দৰ্শন        |
| d. তথ্যপ্ৰধান সাহিত্য | iv. কাব্য         |
- |     |    |     |    |     |
|-----|----|-----|----|-----|
|     | a  | b   | c  | d   |
| (1) | ii | i   | iv | iii |
| (2) | i  | iii | iv | ii  |
| (3) | ii | iv  | i  | iii |
| (4) | iv | iii | ii | i   |

42. 'ক' স্তম্ভ 'খ' স্তম্ভ
- |                            |                               |
|----------------------------|-------------------------------|
| a. জোনাকী যুগৰ গল্প কাৰ    | i. বীৰেন্দ্ৰ কুমাৰ ভট্টাচাৰ্য |
| b. আৱাহন যুগৰ গল্পকাৰ      | ii. লক্ষ্মীনাথ বেজবৰুৱা       |
| c. বামধেনু যুগৰ গল্পকাৰ    | iii. কুল শইকীয়া              |
| d. সাম্প্ৰতিক যুগৰ গল্পকাৰ | iv. শৰৎচন্দ্ৰ গোস্বামী        |
- |     |     |    |     |     |
|-----|-----|----|-----|-----|
|     | a   | b  | c   | d   |
| (1) | ii  | iv | i   | iii |
| (2) | iv  | i  | ii  | iii |
| (3) | i   | ii | iii | iv  |
| (4) | iii | i  | iv  | ii  |

43. 'ক' স্তম্ভ 'খ' স্তম্ভ
- |                         |                    |
|-------------------------|--------------------|
| a. নিৰুপমা বৰগোহাৰিঙ    | i. পৰম পূজনীয়     |
| b. মামনি বয়চম গোস্বামী | ii. মৃগনাভি        |
| c. পূৰ্বী বৰমুদৈ        | iii. দেৱী পীঠৰ তেজ |
| d. অৰুপা পটঙ্গীয়া      | iv. কেৰুটাছৰ ফুল   |
- |     |     |     |     |    |
|-----|-----|-----|-----|----|
|     | a   | b   | c   | d  |
| (1) | iv  | iii | i   | ii |
| (2) | iii | ii  | iv  | i  |
| (3) | i   | ii  | iii | iv |
| (4) | ii  | iii | iv  | i  |

44. 'ক' স্তম্ভ 'খ' স্তম্ভ
- |                   |                          |
|-------------------|--------------------------|
| a. লিক্ চাও লামাং | i. কাৰ্বি ৰামায়ণ        |
| b. চাবিন আলুন     | ii. কাৰ্বি উৎসৱ          |
| c. চমাংকান        | iii. আদী সকলৰ<br>লোকউৎসৱ |
| d. মপিন্          | iv. খামতি ৰামায়ণ        |
- |     |     |     |     |     |
|-----|-----|-----|-----|-----|
|     | a   | b   | c   | d   |
| (1) | iv  | i   | ii  | iii |
| (2) | i   | iii | iv  | ii  |
| (3) | iii | ii  | i   | iv  |
| (4) | i   | iv  | iii | ii  |

45. 'ক' স্তম্ভ 'খ' স্তম্ভ
- |           |            |
|-----------|------------|
| a. চাইচিন | i. বড়ো    |
| b. এগে    | ii. কাৰ্বি |
| c. দখনা   | iii. মিচিং |
| d. পিনি   | iv. খামতি  |
- |     |     |     |     |     |
|-----|-----|-----|-----|-----|
|     | a   | b   | c   | d   |
| (1) | iii | ii  | iv  | i   |
| (2) | ii  | iv  | i   | iii |
| (3) | i   | ii  | iii | iv  |
| (4) | iv  | iii | i   | ii  |

তলত দিয়া খণ্ডটো মনোযোগেৰে পঢ়া আৰু 46 ৰ পৰা 50 লৈকে সংলগ্ন প্ৰশ্নকেইটাৰ শুদ্ধ উত্তৰ (1) (2), (3), (4) ৰ মাজৰ পৰা বাছি উলিওৱা।

বহুদিন বিদেশীৰ পদানত হৈ থাকিলে যি কোনো জাতিৰে শাৰীৰিক, মানসিক আৰু নৈতিক অৱনতি ঘটে, আৰু সেই জাতিয়ে নিজতো আস্থা হেৰুৱায়। আমাৰ জাতীয় জীৱনত এইবিলাক লক্ষণ সতকাই চকুত পৰে। তাৰ উপৰি অৰ্থনৈতিক অসাম্যো ৰাইজক চেপি ধৰি আমাৰ ৰাজহুৱা জীৱন নিস্তেজ কৰিবলৈ চেষ্টা কৰিছে। এনে সময়ত স্বাধীনতাৰ অভিজ্ঞতাই যে কিমানবিলাক দায়িত্ব আৰু কৰ্তব্যৰ কথা সোঁৱৰাই দিয়ে তাৰ লেখ লব নোৱাৰি। প্ৰকৃততে নতুনকৈ পোৱা স্বাধীনতা সাৰ্থক কৰি তুলিবলৈ হ'লে আমি বহুতো সংগঠনমূলক কাম হাতত ল'ব লাগিব; আৰু সেইবিলাকৰ সম্পাদনত আমাৰ আন্তৰিকতা প্ৰমাণ হোৱাৰ উপৰি স্বাধীনতা লভিবৰ আমি কিমান উপযুক্ত তাৰো চিন ওলাব।

সাহিত্যৰ ফালৰপৰা এই সময়ত সুফল লভিবৰ যথেষ্ট সম্ভাৱনা দেখা যায়। বহিৰ্জগতৰ সৈতে মানুহৰ যি বিৰোধ আৰু সংগ্ৰাম সেয়েই সাহিত্যৰ প্ৰেৰণা। আদিম যুগৰপৰা এতিয়ালৈকে মানুহে প্ৰকৃতিৰ সৈতে যি যুঁজ-ৰাগৰ কৰি আহিছে আৰু অলপ অলপকৈ জয়লাভ কৰি সমাজ পাতি শাসনতন্ত্ৰ সাজি লৈ জীয়াই থাকিবলৈ যি অহোপুৰুষাৰ্থ কৰি আহিছে; তাৰ প্ৰতিচ্ছবি লিখিত আৰু মৌখিক সাহিত্যত পোৱা যায়। আনহাতে মনৰ সংশয়াপন্ন আৰু বিমোৰ অৱস্থাত সাহিত্যো মানুহক উদগনি আৰু দিহা-ভৰষা দিবলৈ চেষ্টা কৰিছে। জীৱন আৰু সাহিত্যৰ এয়ে দুমুখীয়া সম্বন্ধ।

সাহিত্যই জীৱনত কি দৰে প্ৰভাৱ পেলায় তাৰ সাক্ষী বুৰঞ্জীয়ে দিয়ে। ধৰ্মপ্ৰচাৰ আৰু সামাজিক বিপ্লৱত সাহিত্য হৈছে অগ্ৰগণী। প্ৰোটেষ্টান ধৰ্মমত প্ৰচাৰত লুথাৰৰ ৰচনাৱলী, ভাৰতবৰ্ষত মধ্যযুগৰ বৈষ্ণৱ ধৰ্ম প্ৰচাৰত শঙ্কৰদেৱ, তুলসীদাস আদি ভক্ত কবিৰ পুথি, আধুনিক যুগৰ বিপ্লৱবোৰত ৰুছো, ভল্টেয়াৰ লেনিন, গৰ্ভী আদি লিখকৰ কিতাপ-পত্ৰ কিমান কাৰ্যকৰী হৈছে তাক দোহাৰিবৰ সকাম নাই। আমাৰ জাতীয় আন্দোলনতো মহাত্মা গান্ধীৰ ইয়ং ইণ্ডিয়া, আত্মজীৱনী, আদি ৰচনাৱলী কিমাল সফল হৈছে সেই কথা আটাইৰে বিদিত। এইদৰে সমাজৰ আৱশ্যকীয় সংস্কাৰবিলাক সাহিত্যৰ জৰিয়তে আগবঢ়াই নিব পাৰি।

অসমীয়া সাহিত্য অলপ দুৰ্বল বুলি বহুতৰে ধাৰণা এটা আছে; আৰু অসমীয়া সাহিত্যিকৰ কৰ্তব্য সম্পৰ্কেও দুই-চাৰিয়ে মন্তব্য নকৰা নহয়। প্ৰকাশৰ অভাৱ আৰু আন দুই-এক অসুবিধাৰ কাৰণে অসমীয়া কিতাপ-পত্ৰ ওলাবলৈ অসুচল। তথাপি হাত সাৰাটো বহি থকা নীতি কোনোমতেই সমৰ্থন কৰিব নোৱাৰি। নতুন পৰিবৰ্তনবিলাকৰ স্বৰূপ বুজিবলৈ চেষ্টা কৰি সময় নোঁয়াওঁতেই আমি দুই-চাৰিটা আঁচনি হাতত লোৱা ভাল। এই বিষয়ে চৰকাৰ, সাহিত্য সভা, আন ৰাজহুৱা অনুষ্ঠান আৰু উদাৰমনা ব্যৱসায়ী - এই আটায়ে গা ঢালি চাব পাৰে।

মহাযুদ্ধৰ আলোড়ন আৰু জনশিক্ষাৰ আদৰ্শই বহুতো মানুহক লিখা-পঢ়াৰ প্ৰতি আগ্ৰহান্বিত কৰিছে। ইয়াৰ ফলত পঢ়ুৱৈ সমাজ আগতকৈ বহুতো ডাঙৰ হৈছে। অৱশ্যে এতিয়াও সৰহ সংখ্যক অসমীয়াই আখৰকে নিচিনে। এইসকলকো আখৰী কৰিবলৈ চেষ্টা চলিব লাগে। কিন্তু প্ৰথমতে যিসকলে কিতাপ-পত্ৰ অলপ-অচৰপ পঢ়িব পাৰে তেওঁলোকৰ পৰিধি ক্ৰমে বঢ়াবলৈ চেষ্টা কৰিব পাৰি। বাস্তৱিকতে যিবিলাক মনুহৰ বয়স গৈছে, যাৰ ইহকালতকৈ পৰকাল ভাবিবৰ পৰ হ'ল, তেওঁলোকৰ ওপৰত মিছাকৈয়ে জোৰ দিয়াৰ আৱশ্যকতা নাই। নতুনকৈ উঠি অহা ল'ৰা - ছোৱালীবিলাকক যদি লিখা-পঢ়া শিকাই স্বদেশ-প্ৰীতি, সাম্যভাব, উদাৰতা আদি আদৰ্শ উপলব্ধি কৰাব পৰা যায় তেনেহ'লে আমাৰ উদ্দেশ্য সফল হ'বলৈ পলম নালাগে।

46. স্বাধীনতাৰ অভিজ্ঞতাই কেনেধৰণৰ কথা সোঁৱৰাই দিয়ে ?
- (1) স্বাধীনতাৰ অভিজ্ঞতাত অৰ্থনৈতিক সমস্যাৰাজীৱন নিস্তেজ কৰাৰ কথা সোঁৱৰাই দিয়ে ।
  - (2) স্বাধীনতাৰ অভিজ্ঞতাই জাতীয় জীৱনৰ নৈতিক অৱনতিৰ কথা সোঁৱৰাই দিয়ে ।
  - (3) স্বাধীনতাৰ অভিজ্ঞতাই নতুনকৈ পোৱা স্বাধীনতা সাৰ্থক কৰাৰ কথা সোঁৱৰাই দিয়ে ।
  - (4) স্বাধীনতাৰ অভিজ্ঞতাই নতুন কাম সম্পাদনা কৰাৰ কথা সোঁৱৰাই দিয়ে ।
47. সাহিত্যৰ প্ৰেৰণা কেনেধৰনে সম্ভৱ ?
- (1) বহিৰ্জগতৰ সৈতে থকা অহৰহ বিৰোধ আৰু সংগ্ৰামী ভাৱনাৰ মাজতেই সাহিত্যৰ প্ৰেৰণা সম্ভৱ ।
  - (2) বহিৰ্জগতৰ সৈতে মানুহৰ সততে সৃষ্টি হোৱা বিৰোধ আৰু সংগ্ৰামৰ মাজতেই সাহিত্যৰ প্ৰেৰণা সম্ভৱ ।
  - (3) বহিৰ্জগতৰ প্ৰতি মানুহৰ যি বিৰোধ আৰু সংগ্ৰাম তেনে সত্তাৰ মাজতেই সাহিত্যৰ প্ৰেৰণা সম্ভৱ ।
  - (4) বহিৰ্জগত দৃষ্ট বিৰোধ আৰু সংগ্ৰামী চেতনাতই সাহিত্যৰ প্ৰেৰণা সম্ভৱ ।
48. সাহিত্যই জীৱনত পেলোৱা প্ৰভাৱৰ সাক্ষী বুৰঞ্জীয়ে কেনেকৈ দিয়ে ?
- (1) লুখাৰৰ ৰচনাৱলী, মধ্যযুগৰ বৈষ্ণৱ ভক্ত কবিৰ পুথি আদি ইয়াৰ সাক্ষী ।
  - (2) ৰুছো, ভল্টেয়াৰ, লেলিন, গৰ্কী আদি লিখকৰ গ্ৰন্থসমূহ সামাজিক বুৰঞ্জীৰ সাক্ষী ।
  - (3) ধৰ্মপ্ৰচাৰ আৰু সামাজিক বুৰঞ্জীয়ে ইয়াৰ সাক্ষী দিয়ে ।
  - (4) মহাত্মা গান্ধীৰ ইয়ংইণ্ডিয়া, আত্মজীৱনী আদি ৰচনাৱলী বুৰঞ্জীৰ সাক্ষী ।
49. পাঠটিত পঢ়ুৱৈ সমাজ আগতকৈ বহুতো ডাঙৰ হৈছে বুলি কিয় কোৱা হৈছে ?
- (1) সৰহ সংখ্যক অসমীয়াক আখৰী কৰিবলৈ কৰা যত্নৰ বাবে ।
  - (2) দ্বিতীয় মহাযুদ্ধৰ প্ৰভাৱ আৰু জনশিক্ষাৰ আদৰ্শই মানুহক লিখা পঢ়াৰ প্ৰতি আগ্ৰহান্বিত কৰাৰ বাবে ।
  - (3) কিতাপ পঢ়া আৰু ইয়াৰ পৰিধি বঢ়াবলৈ যত্ন কৰাৰ বাবে ।
  - (4) বাস্তৱিকতে যিবিলাকৰ বয়স হৈছে তেওঁলোকৰ ওপৰত মিছাকৈয়ে জোৰ দিয়া বাবে ।
50. পাঠটিৰ নামকৰণ কিদৰে কৰিবা ?
- (1) নতুন সাহিত্যৰ গতি
  - (2) সাহিত্য সাধনাৰ নতুন বাট
  - (3) আমাৰ নতুন সাহিত্য
  - (4) নতুন সাহিত্যিক চেতনা

**Space For Rough Work**